

**STUDY OF PROBLEM AND PROSPECTS OF URBAN
DEVELOPMENT IN JHARKHAND: AN OVERVIEW**

A DISSERTATION SUBMITTED TO ST. XAVIER'S COLLEGE

MAHUADAR

AFFILIATED TO NILAMBER PITAMBER UNIVERSITY

BACHELOR OF ARTS

BY

Mr. AMAN KUJUR (Reg. No. NPU2020013355)

Mr. ANKIT PAUL KUSHMA (Reg. No. NPU2020013306)

Mr. BINOD BRIJIYA (Reg. No. NPU2020013182)

Ms. DANGIL GIDH (Reg. No. NPU2020013290)

Ms. MAHIN HAQUE (Reg. No. NPU2020013254)

Under the guidance of

Asst.prof.Dr.MD AREFUL HOQUE

(M.A, UGC NET, PH. D)

DEPARTMENT OF GEOGRAPHY



ST. XAVIER'S COLLEGE MAHUADAR

Nationally Accredited with Grade 'B' (NAAC)

MAHUADANR (822119), LATEHAR JHARKHAND

CERTIFICATE

This is to certify that the dissertation entitled 'A Study of Regional planning problems and prospects of urban Development in Jharkhand: An Overview' submitted to St. Xavier's College Mahuadanr in partial fulfilment of requirement for the award of Bachelor of Arts in Geography to award by the University of Nilamber Pitamber is a bonafied record of the work carried out by

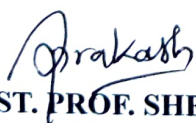
Mr. AMAN KUJUR (Reg. No. NPU2020013355)

Mr. ANKIT PAUL KUSHMA (Reg. No. NPU2020013306)

Mr. BINOD BRIJIYA (Reg. No. NPU2020013182)

Ms. DANGIL GIDH (Reg. No. NPU2020013290)

Ms. MAHIN HAQUE (Reg. No. NPU2020013254)



ASST. PROF. SHEPHALI PRAKASH

Head of the Department,

Department of Geography

St. Xavier's College Mahuadanr

Latehar- 822119, Jharkhand

Head of the Department
Dept. of Geography
St. Xavier's College, Mahuadanr
Latehar, Jharkhand - 822119



Dr. Md. Areful Hoque

Dissertation Guide

St. Xavier's College Mahuadanr

Latehar- 822119, Jharkhand

ACKNOWLEDGEMENT

First of all I would like to thank almighty god for showering his grace, love and blessings to make this project possible.

I am thankful to my Principal Fr. M. K. Joseph SJ for allowing me to study the under graduate course in this historical institution.

I thank Ms. Shephali Prakash, Head of the Department of Geography, St. Xavier's College Mahuadanr- 822119, for allowing me to take this dissertation and for permission to use the lab and the instruments available in the department.

Asst. Prof. Dr. Md. Areful Hoque was my guide for this dissertation. We are extremely grateful for her inspiring guidance, useful discussions and encouragement throughout the dissertation and whose meticulous and patient guidance has enriched me personally and intellectually.

I express my heartfelt thanks to all my friends who encouraged me to complete this dissertation successfully.

Amankujur **Mr. AMAN KUJUR**

Ankit Paul Kushma **Mr. ANKIT PAUL KUSHMA**

Binod Brijiya **Mr. BINOD BRIJIYA**

Dangil Gidh **Ms. DANGIL GIDH**

Mahin Haque **Ms. MAHIN HAQUE**

विषय सूची

Sr. No.	CONTENT	PAGE NO.	SIGNATURE
1	नगरीय क्षेत्र का परिचय	1	
2	भारत के 10 उच्च शहरी क्षेत्र	2-10	
3	नगरीय विकास से सम्बन्ध समस्याए	10-16	
4	प्रमुख नगरीय चुनौतिया	17-19	
5	झारखण्ड में नगरीय विकास	20-21	
6	झारखण्ड के 5 मुख्य शहरी क्षेत्र	22-27	
7	झारखण्ड में शहरी क्षेत्र की समस्या	27-33	
8	झारखण्ड की शहरी क्षेत्र के विकास के लिए योजनाए	34-38	
9	निष्कर्ष	39	
10	ग्रन्थ सूची	40	

निष्कर्ष

जैसे हर चीज की अति खराब होती है, वही स्थिति इसके साथ भी है। हमारा देश कृषि-प्रधान देश है, लेकिन शहरीकरण के फलस्वरूप कोई भी युवा गांवों में रहकर खेती नहीं करना चाहता, और न ही गांवों में रहना चाहता है। शहरों की चकाचौंध में वो खो सा गया है। उसे वास्तविकता का जरा सा भी भान नहीं है। कोई खेती नहीं करेगा, तो देश की जनता खाएगी क्या। आप शहरी हो या ग्रामीण, पेट भरने के लिए सबको भोजन की ही आवश्यकता होती है। और उसकी उगाही केवल किसान ही कर सकता है, जिसके लिए गांव में रहना जरूरी है।

शहरीकरण या नगरीकरण स्वयं के विकास करने का मानक माना जाता है। जब भारी संख्या में लोग गाँवों को छोड़कर शहरों की तरफ रुख करने लगते हैं, उसे ही शहरीकरण की उपमा दी गयी है। शहरीकरण का सबसे बड़ा साथी विज्ञान और वैज्ञानिक दृष्टि से उन्नत भौतिक आराम की सुख-सुविधाएं हैं। जिसे देखकर अनायास ही व्यक्ति खींचा चला जाता है। और उसे पाने की चाहत में प्रयास करने लगता है।

आज नतीजा यह है कि हम अत्यधिक प्रदूषित शहरों में रहते हैं, जहां दिन-प्रतिदिन जीवन तेजी से बदलता जा रहा है। हम इस शहरी प्रदूषण के कारण कई स्वास्थ्य मुद्दों का सामना करते हैं और सबसे बुरी बात यह है कि हमें इसका एहसास भी नहीं है। यही उचित समय है, इस प्रदूषण पर अंकुश लगाने और अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर दुनिया बनाने के तरीकों को अपनाने की जरूरत है।